कानपुर, शुक्रवार, 13 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 66, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड अमेरिका-ईरान टकराव खतरनाक मोड़ पर...>Pg12

एल्डिगो में उपभोक्ताओं से 'महंगी रोशनी' की वसूली! ...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

यूपी में आतंकी प्लान फेल

छह संदिग्ध सलाखों के पीछे

गाजियाबाद में हिंदू संगठनों से जुड़े दो लोगों को निशाना बनाने की थी तैयारी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में एक संभावित आतंकी साजिश का बड़ा खुलासा करते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से प्रभावित होकर कट्टरपंथी गतिविधियों में लिप्त थे और गाजियाबाद में हिंदू संगठनों से जुड़े दो व्यक्तियों को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर एक बड़ी वारदात को टाल दिया गया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का संबंध एक ऐसे संदिग्ध नेटवर्क से है, जो सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टर विचारधारा का प्रसार कर रहा था। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह विदेश में बैठे आकाओं के निर्देश पर काम कर रहा था। आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई गुप्त ग्रुप चलाते थे, जिनमें देश विरोधी और कट्टरपंथी सामग्री साझा की जाती थी। इन ग्रुपों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों के युवकों को भी जोड़ा गया था।

पुलिस ने गुरुवार को मुख्य आरोपी सावेज

को नाहल गांव के पास से गिरफ्तार किया। इसके बाद मसूरी थाने में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जुनैद, फरदीन, इकराम अली, फजरू और मोहम्मद जावेद को भी दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरणों की जांच में कई संदिग्ध चैट, वीडियो और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, जिन्हें जांच का अहम आधार माना जा रहा है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक आरोपी प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े वीडियो देखकर खुद को प्रशिक्षित करने की कोशिश करते थे। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को प्रभावित कर कट्टरता फैलाने का प्रयास किया जा रहा था। पुलिस अब आरोपियों के मोबाइल फोन, सोशल मीडिया अकाउंट और अन्य डिजिटल डाटा की गहन जांच कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और विदेशी संपर्कों का पता लगाया जा सके।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों की पृष्ठभूमि भी सामने आई है। मुख्य आरोपी सावेज बारहवीं पास है और एक परचून की दुकान पर काम करता है। मोहम्मद जावेद पहले नाहल की मस्जिद में मौलाना रह चुका है और वर्तमान में मसूरी के अजीज नगर क्षेत्र में एक मदरसा संचालित कर रहा था। इकराम अली पेशे से वकील है, जबकि जुनैद विधि की पढ़ाई कर रहा है। अन्य आरोपी मजदूरी का काम करते हैं।

जांच के दौरान एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी इकराम अली की मां साहिदा मूल रूप से बांग्लादेश की निवासी है और कथित रूप से भारतीय नागरिक बनकर रह रही थी। इस मामले में मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराएं भी जोड़ दी हैं और उसकी गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क का खुलासा करने और इसके पीछे सक्रिय विदेशी कड़ियों तक पहुंचने के लिए जांच लगातार जारी है। पुलिस और खुफिया एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की गहन पड़ताल कर रही हैं।

एक नजर

- खुफिया एजेंसियों की सूचना पर पुलिस ने साजिश को समय रहते नाकाम किया
- छह आरोपियों के मोबाइल से संदिग्ध चैट, वीडियो और डिजिटल सामग्री बरामद
- सोशल मीडिया ग्रुपों के जरिए युवाओं को कट्टर विचारधारा से जोड़ने की कोशिश
- गाजियाबाद में हिंदू संगठनों से जुड़े दो लोगों को निशाना बनाने की योजना
- एक आरोपी की मां के बांग्लादेशी मूल की होने का खुलासा, धोखाधड़ी की धाराएं जोड़ी गईं
- पुलिस विदेशी संपर्कों और पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हथियार बरामद करने के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायर किया, हाफ एनकाउंटर कर दबोचा गया

हिंदुस्तान पेट्रोलियम के दो अफसरों की निर्मम हत्या, आरोपी का हाफ एनकाउंटर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के दो अधिकारियों की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस की लापरवाही सामने आने के बाद बड़ा प्रशासनिक एक्शन लिया गया है। मामले में मूसाझाग थाना प्रभारी (SHO) और संबंधित चौकी इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद करने लिए पुलिस जब उसे ले गई तो उसने छिपाए गए तंमचे से पुलिस पर फायर कर दिया। जवाब में पुलिस की गोली आरोपी के दोनों पैरों में लगी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि एचपीसीएल यूनिट के डिप्टी जनरल मैनेजर सुधीर गुप्ता और मैनेजर हर्षित मिश्रा को हत्या से पहले लगातार धमकियां मिल रही थीं। दोनों अधिकारियों ने इस संबंध में कई बार पुलिस से शिकायत की थी और अपनी सुरक्षा की मांग भी की थी, लेकिन पुलिस ने समय रहते

➪ धमकियों के बावजूद नहीं मिली सुरक्षा, आरोपी को पहले भी थाने में बैठाकर छोड़ने का आरोप, थानेदार- चौकी इंचार्ज सस्पेंड

कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

जानकारी के अनुसार, एचपीसीएल यूनिट में कार्यरत रहे पूर्व ऑपरेटर अजय सिंह पर दोनों अधिकारियों की हत्या का आरोप है। बताया जा रहा है कि आरोपी पहले भी दोनों अफसरों पर हमला कर चुका था। इसके बावजूद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजने के बजाय थाने में बैठाकर पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। स्थानीय लोगों के अनुसार आरोपी को कई बार थाने में बैठाकर चाय-पानी कराने के बाद वापस जाने दिया गया, जिससे उसके हौसले और बढ़ गए।

परिजनों और कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार दबाव बनाने के बाद ही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। यदि उसी समय सख्त कार्रवाई की जाती और आरोपी को जेल भेजा जाता तो यह घटना टाली जा सकती थी। बताया जा रहा है कि आरोपी की धमकियों से परेशान होकर डीजीएम सुधीर गुप्ता ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) लेने तक का निर्णय कर लिया था, जबकि मैनेजर हर्षित मिश्रा ने अपना ट्रांसफर कराने के लिए आवेदन भी दिया था। दोनों अधिकारियों को अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा था, लेकिन पुलिस की ओर से सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई।

घटना के बाद एचपीसीएल के कर्मचारियों और अधिकारियों में भारी आक्रोश है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने कार्रवाई की होती तो दो जिम्मेदार अधिकारियों की जान बचाई जा सकती थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी संज्ञान लिया है। पुलिस मुख्यालय से पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तलब की गई है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। दोनों अधिकारियों की हत्या से पूरे जिले में सनसनी फैल गई है। वहीं इस घटना ने एक बार फिर पुलिस की कार्यशैली और शिकायतों पर समय से कार्रवाई न होने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हत्यारोपी का एनकाउंटर, दोनों पैरों में लगी गोली

बदायूं में हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डीजीएम सुधीर गुप्ता (55) और असिस्टेंट मैनेजर हर्षित मिश्रा (35) की हत्या के आरोपी ठेकेदार अजय प्रताप सिंह को पुलिस ने हाफ एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लग गई, जिसके बाद पुलिसकर्मी उसे कंधे पर उठाकर वाहन तक ले गए और जिला अस्पताल में भर्ती कराया। सीओ डॉ. देवेंद्र सिंह के मुताबिक आरोपी ने जिस तमंचे से दोनों अफसरों की हत्या की थी, उसे भागते समय जंगल में छिपा दिया था। शुक्रवार सुबह पुलिस उसे हथियार बरामद कराने के लिए जंगल ले गई थी। इसी दौरान उसने झाड़ियों में छिपा लोडेड तमंचा निकालकर पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैरों में लगी। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पिछले तीन महीने से अफसरों को जान से मारने की धमकी दे रहा था। इस संबंध में सुधीर गुप्ता ने 4 फरवरी को मूसाझाग थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई थी।

कानपुर में जलभराव को लेकर बड़ी सफलता

किदवई नगर बाईपास से पांडु नदी तक बनेगा 6.64 किमी लंबा नाला

» महापौर प्रमिला पांडेय के प्रयासों से 'अर्बन फ्लड/जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना' को मिली स्वीकृति, 26 वार्डों की लगभग 1.35 लाख आबादी को होगा लाभ

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर शहर में बरसात के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए एक बड़ी योजना को स्वीकृति मिल गई है। नगर विकास अनुभाग-2, लखनऊ के शासनादेश संख्या 1718/नौ-2-24-01 (एसडब्ल्यूडी)/2024 दिनांक 20 दिसम्बर 2024 के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की स्थायी व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से 'अर्बन फ्लड/जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना' को लागू किया जा रहा है। इस योजना को व्यय एवं वित्त समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। योजना के अंतर्गत किदवई नगर बाईपास से पांडु नदी तक लगभग 6.064 किलोमीटर लंबाई में नाले का निर्माण किया जाएगा। वर्तमान में यह नाला पूरी तरह कच्चा है और कई स्थानों पर इसका स्तर सही न होने के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो जाता है। इसके चलते बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, किदवई नगर, टीपी नगर राखी मंडी, मुंशी पुरवा, हलवा खाड़ा नौबस्ता सहित कई क्षेत्रों में बरसात के दौरान जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बारिश बंद होने के बाद भी पानी की निकासी में लगभग 3 से 4 घंटे का समय लग जाता है।

प्रस्तावित नाला बनने से लगभग 26 वार्डों की करीब 1.35 लाख से अधिक आबादी को राहत मिलेगी। इनमें पशुपति नगर, यशोदा नगर (पूर्वी), हंसपुरम, हंसपुरम आवास-विकास, बिनगवां, कान्दीपुर, ट्रांसपोर्ट नगर, बाबूपुरवा, बेगमपुरवा, अजीतगंज, किदवई नगर, जूही हमीरपुर रोड, उस्मानपुर, बसंत विहार, नौबस्ता, कृष्णा नगर, गांधी ग्राम, श्याम नगर, चंदारी सहित कई क्षेत्र शामिल हैं।

इस परियोजना की कार्यदायी संस्था सी एंड डी एस, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) को बनाया गया है। नियुक्त कन्सल्टेंट द्वारा एनआरएससी सैटेलाइट इमेज के माध्यम से ड्रेन कैचमेंट निर्धारित कर स्टार्म वाटर ड्रेनेज की मैपिंग की गई है। जीआईएस प्लेटफार्म और डीजीपीएस सर्वे के जरिए नाले के स्तर और प्रवाह का वैज्ञानिक निर्धारण किया गया है। साथ ही भारतीय मौसम विभाग के 30 वर्षों के वर्षा आंकड़ों के आधार पर हाइड्रोलिक डिजाइन तैयार किया गया है। परियोजना में 5 वर्षों का अनुरक्षण एवं संचालन (ओ एंड एम) भी शामिल किया गया है।

योजना को स्वीकृति मिलने पर महापौर ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा तथा नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से शहरवासियों को जलभराव से स्थायी राहत मिलेगी और कच्चे नालों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की समस्या भी समाप्त होगी।

तत्कालीन नगर आयुक्त सुधीर कुमार के कार्यकाल में भेजा गया था प्रस्ताव

कानपुर के नगर आयुक्त रहे सुधीर कुमार ने अपने कार्यकाल में कई बड़े प्रोजेक्ट पर मेहनत की थी, उन्होंने कानपुर की जल भराव की समस्या को लेकर करीब 400 करोड रुपए का प्रोजेक्ट शासन भेजा था इनमें मकड़ी खेड़ा के पास नाला और अन्य जगहों पर नालों की व्यवस्था थी उसपर अब शासन ने 158 करोड़ मकड़ीखेड़ा और 167 करोड से ष्पस नाला की सहमति दी है.

युवक ने कुत्ते को ईंट से कूंचकर मार डाला

आंखे तक निकल आईं बाहर, लोग बोले- देर तक तड़पता रहा बेजुबान

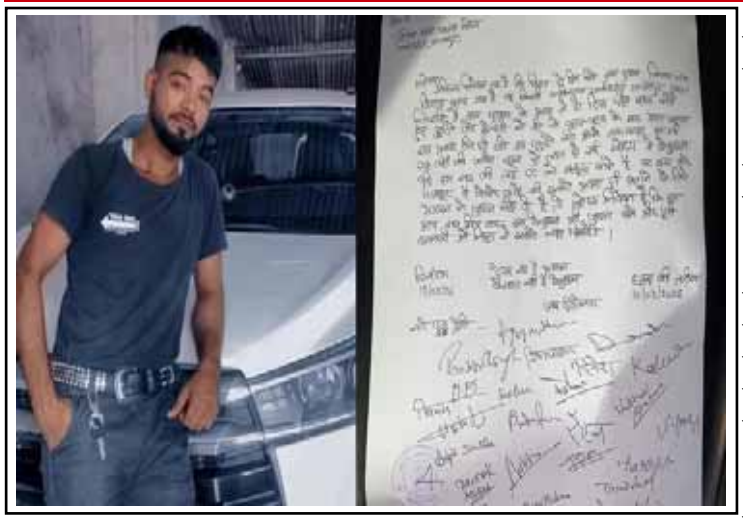

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में एक युवक ने बेजुबान कुत्ते को ईंट से कुचलकर बेरहमी से मार डाला। घटना से नाराज लोगों ने थाने में तहरीर दी है। साथ ही, आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में एक युवक ने बेजुबान डॉग पर ईंट से ताबड़तोड़ हमला कर बेरहमी से मार डाला।

आरोपी की क्रूरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ईंट के वार से कुत्ते की आंखें तक बाहर निकल आईं। घटना का पता चलते ही स्थानीय लोगों और पशु प्रेमियों का गुस्सा फूट पड़ा।

उन्होंने थाने का घेराव कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान कुत्ते की आंखें बाहर आ गईं। वह काफी देर तक तड़पता रहा, लेकिन आरोपी का दिल नहीं पसीजा। मामले में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग कर्नलगंज थाने पहुंचे और लिखित तहरीर सौंपकर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

आवारा कुत्तों का हमला, 12 साल के मासूम को घेरकर नोचा

» हाथ में आए 10 टांके, इलाकाई लोगों में आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जाजमऊ के मनोहर नगर में दुकान से लौट रहे 12 वर्षीय मासूम को आवारा कुत्तों ने घर के गेट पर नोचकर लहूलुहान कर दिया। मासूम के हाथ में 10 टांके आए हैं।कानपुर में जाजमऊ थाना क्षेत्र के मनोहर नगर भल्ला स्टेट में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक किशोर को दौड़ा लिया। घर के बाहर पहुंचते ही अचानक कुत्तों ने हमला बोल दिया। कुत्तों ने बच्चे के हाथ समेत शरीर के कई अन्य जगहों पर काटकर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित बच्चे के हाथ में 10 टांके लगे हुए है। घटना से इलाके के लोगों में आक्रोश है।

मनोहर नगर भल्ला स्टेट निवासी मुशीर आलम लेदर की ट्रेडिंग का काम करते है। उन्होंने बताया कि बीते बुधवार की शाम को उनका बेटा अरीश आलम (12) को उनकी पत्नी शबीना परवीन ने घर से पीछे गली में दुकान से सामान लेने के लिए भेजा था। सामान लेकर वापस आने के दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक घेर लिया।

इस पर वह दौड़कर घर के बाहर आया। तभी गेट के बाहर पहुंचते ही कुत्तों ने गिराकर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चों के हाथ समेत शरीर पर कई अन्य जगहों पर भी काट लिया, जिससे उनके सीधे हाथ में 10 टांके लगे हुए है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि ऐसे किसी मामले की जानकारी नहीं है। तहरीर आने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

केस्को की बिजली, बिल्डर की कमाई

एल्डिगो टाउनशिप में उपभोक्ताओं से 'महंगी रोशनी' की वसूली!

घरेलू उपभोक्ताओं से कमर्शियल दरों पर बिजली वसूली, मामला उपभोक्ता फोरम पहुंचा केस्को की भूमिका पर भी उठे सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के पॉश और आधुनिक टाउनशिप का सपना दिखाकर बसाई गई एल्डिगो टाउनशिप अब अपने ही आवंटियों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। आरोप है कि यहां रहने वाले परिवारों को बिजली के नाम पर सालों से आर्थिक बोझ ढोना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति तो केस्को की है, लेकिन उसका बिल वसूली का खेल बिल्डर कंपनी के हाथों में है। नतीजा यह कि उपभोक्ताओं को सामान्य घरेलू दरों के बजाय मनमाने और अधिक दरों पर बिजली खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

कल्याणपुर क्षेत्र के बारा सिरोही गांव में स्थित एल्डिगो टाउनशिप एंड हाउसिंग कंपनी द्वारा वर्ष 2006-07 में सैकड़ों एकड़ भूमि पर एक भव्य टाउनशिप विकसित की गई थी। आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षित आवास का सपना दिखाकर यहां सैकड़ों लोगों ने विला और प्लॉट खरीदे। वर्तमान में इस टाउनशिप में लगभग 200 परिवार निवास कर रहे हैं, लेकिन समय के साथ यहां रहने वाले लोग सुविधाओं से ज्यादा समस्याओं से जूझते दिखाई दे रहे हैं।

टाउनशिप के फेस-1 सेक्टर-9 में विला नंबर सीएन-2 में रहने वाले अधिवक्ता मनीष पांडेय ने बताया कि एल्डिगो टाउनशिप एंड हाउसिंग कंपनी ने जून 2014 में 1600 केवीए का एक सिंगल प्वाइंट बिजली कनेक्शन लिया था। इस कनेक्शन के माध्यम से पूरी टाउनशिप को बिजली आपूर्ति की जा रही है। आरोप है कि कंपनी इसी कनेक्शन के जरिए निवासियों को बिजली बेच रही है और इसके लिए उनसे तय दरों से अधिक रकम वसूली जा रही है। मनीष पांडेय के अनुसार टाउनशिप प्रबंधन उपभोक्ताओं से 7 रुपये 50 पैसे प्रति यूनिट बिजली शुल्क के साथ-साथ 140 रुपये प्रति यूनिट फिक्स्ड चार्ज वसूल रहा है। जबकि केस्को के सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 6 रुपये 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध हो रही है। इस अंतर के कारण टाउनशिप के निवासियों को हर महीने भारी बिजली बिल का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह व्यवस्था न केवल अनुचित है बल्कि उपभोक्ता अधिकारों का खुला उल्लंघन भी है। उनका आरोप है कि बिल्डर कंपनी ने टाउनशिप के विकास के समय यह आश्वासन दिया था कि यहां सभी मूलभूत सुविधाएं पारदर्शी और सरकारी मानकों के अनुसार उपलब्ध कराई जाएंगी। लेकिन बिजली व्यवस्था में जो मॉडल लागू किया गया है, वह पूरी तरह बिल्डर के नियंत्रण में है और उपभोक्ताओं को मजबूरन उसी के माध्यम से बिजली लेनी पड़ रही है।

निवासियों का यह भी कहना है कि कई बार केस्को से सीधे बिजली कनेक्शन लेने का प्रयास किया गया, लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगी। आरोप है कि केस्को अधिकारियों ने टाउनशिप प्रबंधन का पक्ष लेते हुए लोगों को टाल दिया। इससे स्थानीय नागरिकों में यह धारणा भी बन रही है कि कहीं न कहीं बिल्डर और बिजली विभाग के बीच मिलीभगत का खेल चल रहा है। इसी विवाद के चलते अधिवक्ता मनीष पांडेय सहित कई निवासियों ने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि बिल्डर कंपनी वर्षों से बिजली के नाम पर अतिरिक्त वसूली कर रही है और उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। मामले के फोरम में पहुंचने के बाद अब इस पूरे प्रकरण पर कानूनी नजरें टिक गई हैं।

इस मामले में एल्डिगो टाउनशिप एंड हाउसिंग कंपनी के निदेशक श्रीकांत झझोडिया से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इससे निवासियों के आरोपों को और बल मिलता नजर आ रहा है। टाउनशिप में रहने वाले लोगों का कहना है कि यदि कंपनी के पास अपने पक्ष में ठोस तर्क हैं तो उसे सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

केस्को के पीआरओ देवेंद्र कुमार वर्मा का कहना है कि फिलहाल एल्डिगो टाउनशिप में सिंगल प्वाइंट कनेक्शन चल रहा है। यदि वहां के निवासी आरडब्ल्यूए के माध्यम से आवेदन करते हैं तो उन्हें मल्टी प्वाइंट कनेक्शन देने की प्रक्रिया पर विचार किया जा सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले की जानकारी जुटाने के बाद ही विस्तृत टिप्पणी की जा सकती है। बहरहाल, यह मामला अब केवल बिजली बिल का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या टाउनशिप के नाम पर लोगों को सुविधाओं के बजाय शर्तों की जंजीर में जकड़ दिया गया है। यदि उपभोक्ता फोरम में यह आरोप साबित होते हैं तो यह मामला कानपुर की अन्य टाउनशिप परियोजनाओं के लिए भी एक बड़ा संदेश बन सकता है।

हाईलाइट्स

- एल्डिगो टाउनशिप में करीब 200 परिवार निवास कर रहे हैं।
- 1600 केवीए सिंगल प्वाइंट कनेक्शन के माध्यम से पूरी टाउनशिप को बिजली आपूर्ति।
- निवासियों से 7.50 रुपये प्रति यूनिट + 140 रुपये फिक्स्ड चार्ज वसूली का आरोप।
- केस्को की घरेलू दर लगभग 6.10 रुपये प्रति यूनिट
- कई बार केस्को से सीधे कनेक्शन लेने का प्रयास, लेकिन सफलता नहीं मिली
- निवासियों ने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई
- कंपनी प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं
- केस्को ने कहा आरडब्ल्यूए आवेदन करे तो मल्टी प्वाइंट कनेक्शन संभव

टाउनशिप में बिजली व्यवस्था के नियम क्या कहते हैं?

टाउनशिप, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी या बड़ी आवासीय कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति के लिए उत्तर प्रदेश में कुछ स्पष्ट नियम और नियामक प्रावधान तय किए गए हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपभोक्ताओं को पारदर्शी दरों पर बिजली मिले और बिल्डर मनमानी वसूली न कर सकें।

आरडब्ल्यूए की भूमिका महत्वपूर्ण

जब टाउनशिप में अधिकांश मकान बस जाते हैं तो वहां की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) बिजली विभाग से सीधे मल्टी प्वाइंट कनेक्शन की मांग कर सकती है। इससे प्रत्येक घर को सीधे बिजली विभाग से बिल मिलने लगता है और बिल्डर की भूमिका समाप्त हो जाती है।

सिंगल प्वाइंट बनाम मल्टी प्वाइंट कनेक्शन

बड़ी टाउनशिप में अक्सर शुरुआत में सिंगल प्वाइंट कनेक्शन दिया जाता है। इसका मतलब है कि बिजली विभाग पूरी टाउनशिप को एक ही बड़े कनेक्शन से बिजली देता है और अंदर वितरण की जिम्मेदारी बिल्डर या डेवलपर की होती है, लेकिन जब वहां बड़ी संख्या में लोग रहने लगते हैं तो मल्टी प्वाइंट कनेक्शन यानी हर मकान या फ्लैट के लिए अलग बिजली कनेक्शन देने की व्यवस्था भी की जा सकती है।

बिल्डर बिजली 'बेच' नहीं सकता

नियमों के अनुसार बिल्डर या टाउनशिप प्रबंधन बिजली विभाग से ली गई बिजली को व्यावसायिक तरीके से बेच नहीं सकता। वह केवल वितरण की सुविधा दे सकता है और वास्तविक दरों के आधार पर ही बिल वसूल सकता है। किसी भी प्रकार की अतिरिक्त या मनमानी दर वसूली को उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन माना जा सकता है।

सरकारी दरों से अधिक वसूली पर सवाल

यदि किसी टाउनशिप में घरेलू उपभोक्ताओं से सरकारी निर्धारित घरेलू दर से अधिक पैसा वसूला जाता है, तो यह विवाद का विषय बन सकता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता बिजली विभाग, विद्युत नियामक आयोग या उपभोक्ता फोरम में शिकायत कर सकते हैं।

उपभोक्ताओं के अधिकार

- उपभोक्ताओं को यह अधिकार है कि वे वास्तविक बिजली दरों की जानकारी मांगें
- अतिरिक्त वसूली का हिसाब लें, बिजली विभाग या उपभोक्ता आयोग में शिकायत करें

रसूलाबाद की जामा मस्जिदों में अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज

» अगले जुमे को हो सकती है ईद या पढ़ाई जा सकती है अलविदा जुमे की नमाज़

» चांद निकलने पर ही मनाई जाएगी ईद, जामा मस्जिदों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था के दिखे कड़े प्रबंध

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रहमतों व बरकतों वाले मुकद्दस माह ए रमजान के चौथे जुमे को अलविदा जुमे की नमाज पढ़ाई गई। इसके साथ ही यह ऐलान भी किया गया कि यदि आने वाले गुरुवार को चांद का दीदार होता है तो शुक्रवार को ईद होगी नहीं तो शनिवार को ईद मनाई जाएगी।

शुक्रवार को रसूलाबाद क्षेत्र में अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई । मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने क्षेत्र की जामा मस्जिदों में पहुंचकर पुर सुकून माहौल में अलविदा जुमा की नमाज अदा की। रसूलाबाद कस्बे की प्राचीन जामा मस्जिद के पेश इमाम हाजी अब्दुल रऊफ खान बकाई ने अलविदा जुमे की नमाज अदा कराई। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर 29 रमजान को चांद का दीदार होगा तो 20 मार्च को ईद मनाई जाएगी और यदि चांद नजर नहीं आया या कोई तस्दीक न हुई तो 21 मार्च को ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाएगा । उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि रसूलाबाद कस्बे की शाही ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज सुबह 9:00 होगी। नमाज देर से नहीं होगी। लिहाजा सभी लोग ईद की नमाज पढ़ते समय से पहुंचे। वहीं मुकद्दस माह ए रमजान में रसूलाबाद क्षेत्र के असालतगंज, कहिंजरी, पहाड़ीपुर , उसरी, सेन नाय मोहम्मद नगर,डभारी, औझान, बिरहुन सहित कई जगहों पर अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई।

कतारें लगवाकर बांटी जा रही रसोई गैस, पुलिस की मौजूदगी में बंटे सिलेंडर

खाड़ी देशों में युद्ध की खबरों से गैस किल्लत की अफवाह, एजेंसी पर उमड़ी भीड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। झींझक क्षेत्र में इन दिनों रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं में हलचल मची हुई है। खाड़ी देशों में युद्ध की खबरों के बाद गैस की कमी होने की अफवाह फैल गई, जिसके चलते शुक्रवार को गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।झींझक स्थित महामाया इंडेन गैस एजेंसी पर भी सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता सिलेंडर लेने पहुंच गए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण एजेंसी परिसर में अव्यवस्था की स्थिति बनने लगी। सूचना मिलने पर झींझक चौकी प्रभारी उमेश शर्मा मौके पर पहुंचे और एजेंसी कार्यालय में गैस सिलेंडर का स्टॉक चेक किया। जांच में स्टॉक सामान्य पाया गया। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ताओं को कतार में लगवाकर एजेंसी कर्मचारियों को सिलेंडर वितरण कराने में सहयोग दिया। दरअसल गैस किल्लत की आशंका के चलते बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर की बुकिंग कराने और लेने के लिए एजेंसी पहुंच रहे हैं। हालांकि एजेंसी संचालकों का कहना है कि रसोई गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं है।एजेंसी पहुंचे उपभोक्ताओं ने बताया कि बुकिंग के बाद कई बार ओटीपी से जुड़ी समस्या आ रही है, जबकि पहले मिस्ड कॉल से आसानी से बुकिंग हो जाती थी। चौकी प्रभारी उमेश शर्मा ने बताया कि गैस सिलेंडर के स्टॉक और बिक्री की जांच की गई है, जो पूरी तरह सही पाई गई है। उपभोक्ताओं से कालाबाजारी के बारे में भी जानकारी ली गई, लेकिन किसी ने ऐसी शिकायत नहीं की। भीड़ को देखते हुए उपभोक्ताओं को कतार में लगाकर शांतिपूर्वक सिलेंडर वितरण कराया जा रहा है।

ग्राम चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, सीडीओ ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

अकबरपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत बारा में हुआ ग्राम चौपाल-गांव की समस्या, गांव में समाधान कार्यक्रम

कानपुर देहात। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने शुक्रवार को विकासखंड अकबरपुर की ग्राम पंचायत बारा में आयोजित ÷ग्राम चौपालङ्कगांव की समस्या, गांव में समाधान÷ कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।ग्राम चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, विद्युत आपूर्ति, आवास, पेंशन, राशन कार्ड तथा मनरेगा भुगतान से जुड़ी समस्याएं मुख्य विकास अधिकारी के सामने रखीं। सीडीओ ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।चौपाल के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय योजना, वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजना, मनरेगा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन योजना) तथा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं का लाभ अवश्य मिलना चाहिए।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र व्यक्तियों का सत्यापन कर उन्हें योजनाओं से आच्छादित करने में पूर्ण पारदर्शिता और तत्परता बरती जाए।सीडीओ ने विकास कार्यों को अभियान चलाकर पूरा करने तथा मनरेगा सहित अन्य योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यस्थलों पर सूचना पट्ट अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि ग्रामीणों को विकास कार्यों की जानकारी मिलती रहे। इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क की स्थिति और विद्युत व्यवस्था की जानकारी भी ली तथा कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर साफ-सफाई और जनसहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए ग्रामीणों से गांव को स्वच्छ और विकसित बनाने में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला, सचिव बोस्की शर्मा आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

इच्छामृत्यु के बाबत स्पष्ट कानून जरूरी

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा।

दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा-निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति-नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा।

युद्ध में सच्चाई और नैरेटिव के बीच की धुंधली रेखा

पुष्परंजन

सदा से युद्धों के दौरान सरकारें नैरेटिव गढ़ती रही हैं। लेकिन जब आधिकारिक संदेश व डिजिटली गढ़ी खबरें एक साथ हों, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो जाती है। सोशल मीडिया के दौर में...सदा से युद्धों के दौरान सरकारें नैरेटिव गढ़ती रही हैं। लेकिन जब आधिकारिक संदेश व डिजिटली गढ़ी खबरें एक साथ हों, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो जाती है। सोशल मीडिया के दौर में युद्धक्षेत्र के दावे सत्यापन से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं।ईरान और इस्राइल के बीच आरंभिक झड़पों के कुछ ही घंटों में, नाटकीय वीडियो ऑनलाइन चलने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि लड़ाकू जहाज मार गिराए और शहर मलबे में तब्दील हो गए।

जल्द ही कई वीडियो मनगढ़ंत निकले। कुछ क्लिप तो वीडियो गेम्स फुटेज निकलीं। कुछ शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनायी लगती हैं- ऐसी सामग्री जिसके पत्रकारों द्वारा सत्यापन से पूर्व ही दुनिया यकीन कर ले।ऐसे ही एक उदाहरण में, बहुत ज़्यादा शेयर किए क्लिप में दावा किया गया कि एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी लड़ाकू जहाज़ मार गिराया है, बाद में शिनाख्त हुई कि यह तो वीडियो गेम 'वॉर थंडर' का फुटेज है। इस वीडियो को ऑनलाइन लाखों व्यूज़ मिले व 'फैक्ट-चेकर्स द्वारा गेम फुटेज साबित करने के बाद और इसे डिलीट करने से पूर्व ग्रेग एबॉट तक ने शेयर किया। समीक्षकों ने पाया कि फुटेज में दिखे हथियार दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त के थे, जिससे यह क्लिप मनगढ़ंत निकली।एक और मामले में, एक वायरल वीडियो में ईरानी मिसाइल हमलों से तेल अवीव तबाह होता दिखा, बाद में विश्लेषकों ने इसकी शिनाख्त बतौर एआई निर्मित रील की। जब तक इस हेरफेर का खुलासा हुआ, तब तक क्लिप को लाखों लोग देख चुके थे। ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर तेज़ी से फैलती है। अक्सर असलियत सामने आने से पूर्व ही बहुत ज्यादा लोगों तक पहुंच जाती है।यह घटनाक्रम वर्तमान दौर की युद्ध कवरेज में एक बड़ी समस्या पेश करता है। युद्ध के मैदान के शुरुआती दावे अक्सर सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, तथापि डिजिटल युग में पत्रकारों द्वारा सत्यापित करने से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। लंदन के टॉक रेडियो स्टेशन एलबीसी पर ईरान युद्ध पर चर्चा सुनते हुए, मैंने हाल ही में एक प्रस्तोता को यह अनुमान लगाते सुना कि ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स किसी प्रदर्शनकारी को मारने वाले को पुरस्कृत कर रहे हैं। कोई सबूत नहीं दिया गया, फिर भी यह बात खबर देने के अंदाज़ में कही गई। एक सदी से भी पूर्व, अमेरिकी सीनेटर हाइरम जॉनसन ने कहा था 'जब युद्ध होता है, तो सबसे पहली मौत सच की होती है'। वैसे ये कहावत पुरानी है, फिर भी मौजूदा संघर्ष संबंधी दावों की बाढ़ बताती है कि यह पूर्ववत?? प्रासंगिक है।हालांकि, सवाल है कि आज के दौर में अन्य युद्धों की तुलना में ईरान-इस्राइल संघर्ष की खबरें इतनी अलग-अलग सी क्यों हैं। यूक्रेन पर रूसी हमले के दौरान, पश्चिमी टीवी नेटवर्क और अखबारों ने अग्रिम मोर्चे पर पत्रकारों की टीमें तैनात की थीं। कीव, खार्किव और यहां तक युद्ध के मैदान से निरंतर रिपोर्टिंग ने पत्रकारों को सरकार द्वारा किए जा रहे दावों की असलियत परखने का मौका दिया। लेकिन, ईरान से जुड़ा संघर्ष बहुत अलग दिखता है। जहां ईरान में चंद पश्चिमी रिपोर्टर काम कर रहे हैं वहीं इस्राइली सैन्य सेंसरशिप युद्ध-विवरण की रिपोर्टिंग पर अंकुश लगा रही है। नतीजन, मिसाइल हमलों, हताहतों और सैन्य हानि बारे जो जानकारी ज्यादातर फैल रही है, वह रिपोर्टरों से नहीं, बल्कि सरकारों, सेना प्रवक्ताओं और सोशल-मीडिया पोस्टों के जरिए आती है।मध्य-पूर्व में भी, अल जज़ीरा जैसे क्षेत्रीय चैनल कई पश्चिमी समकक्षों के मुकाबले अब ज़्यादा टिकाऊ कवरेज कर रहे हैं, विदेशी मीडिया के लोकल ब्यूरो पिछले दो दशकों में इस पूरे इलाके में लगातार सिकुड़े। नतीजन, यह ऐसा युद्ध है जिस पर चर्चा तो खूब हो रही, लेकिन हैरानी है कि खबरें देने वाली स्वतंत्र पत्रकारिता बहुत कम है। ईरान-इस्राइल के बीच हालिया हमलों के दौरान, ऐसी खबरें चलीं जिनमें बताया गया कि यरुशलम में हवाई हमला चेतावनी सायरन बार-बार बज रहे हैं।

ईरान में हुए विस्फोटों का प्रदूषण भारत तक पहुंचने की संभावना

रासायनिक धुएं का परिणाम

निरंजन भंडारी

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही।पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेबनान, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर- इजराइल के कई इलाकों में मिसाइल हमले और बमबारी जारी हैं। कई शहरों के ऊपर तेल और धुएं के काले गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। बावजूद एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इन युद्ध प्रभावित इलाकों की हवा भारत के कई प्रमुख शहरों से कहीं ज्यादा साफ है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध क्षेत्र में भी हवा का स्तर दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों से बेहतर बना हुआ है।11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही। दोपहर बारह बजे तेहरान का अधिकतम एक्यूआई 47 रहा, जो अच्छे स्तर में आता है। इसके विपरीत दिल्ली में सुबह आठ बजे एक्यूआई 323 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है। यूरोप का हुआ बुरा हाल, रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेलयह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में

काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

इसके बावजूद वास्तविक समय के आंकड़े बताते हैं कि तेहरान में एक्यूआई अधिकतर समय शून्य से पचास के बीच यानी स्वस्थ श्रेणी में बना रहा। यह तथ्य भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है क्योंकि भारत के कई महानगरों में वायु प्रदूषण लगातार खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में रहता है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत में प्रदूषण की समस्या मुख्य रूप से स्थानीय कारणों से पैदा होती है। सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। तेजी से बढ़ती निजी गाड़ियों की संख्या नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को बढ़ाती है। यही वजह है कि दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ जैसे शहर भी समय समय पर खराब हवा से जूझते रहते हैं।इसके अलावा निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाले धुएं तथा ईंट भट्ठों से उत्सर्जित गैसें भी प्रदूषण को बढ़ाती हैं। डीजल जनरेटर से निकलने वाला धुआं और सड़कों की धूल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण इलाकों में खाना पकाने के लिए लकड़ी, गोबर और जैव ईंधन जलाने से भी हवा में प्रदूषण बढ़ता है।उत्तर भारत में एक और महत्वपूर्ण कारण खेतों में पराली जलाना है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से धुआं बड़ी मात्रा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक पहुंचता है और सर्दियों में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब कर देता है।भौगोलिक स्थिति भी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक तरह के निचले बेसिन में स्थित है। इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण पश्चिम में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस कारण प्रदूषक तत्व यहां फंस जाते हैं और आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। साथ ही उत्तर पश्चिम से बलूचिस्तान और थार मरुस्थल की ओर से आने वाली धूल भी प्रदूषण को बढ़ाती है।इसके विपरीत तेहरान, तेल अवीव, बेरूत और दुबई जैसे कई पश्चिम एशियाई शहर समुद्र के नजदीक स्थित हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां हवाएं प्रदूषकों को तेजी से फैलाकर साफ कर देती हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण हवा का प्रवाह बेहतर रहता है और प्रदूषण का जमाव कम होता है।वहीं मुंबई समुद्र किनारे होने के बावजूद प्रदूषण से जूझता है।

गैस संकट: सिलेंडर के लिए लंबी कतारें

कई होटल बंद होने की कगार पर

कई होटलों में एक-दो दिन का ही बचा स्टॉक, कोयला भट्ठी से चला रहे काम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़े युद्ध जैसे हालात और अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण गैस आपूर्ति पर असर पड़ने लगा है। इसका प्रभाव अब स्थानीय स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। प्रशासन ने कामर्शियल और औद्योगिक उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति पर अस्थायी रोक लगा दी है, जिससे होटल, रेस्तरां और बड़े खानपान प्रतिष्ठानों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन, अरौल व बिल्हौर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में होटल कारोबार पर संकट गहराने लगा है। गैस न मिलने के कारण कई होटल बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं।

गैस की कमी से छोटे ढाबों से लेकर बड़े होटलों तक के दुकानदार परेशान हैं। होटल संचालकों का कहना है कि गैस न मिलने से भोजन तैयार करना मुश्किल हो गया है। कई होटल संचालकों के पास अब केवल एक-दो दिन का ही गैस स्टॉक बचा है, जिसके बाद होटल चलाना संभव नहीं होगा। मजबूरी में कुछ संचालकों ने कोयले की भट्ठी बनाकर खाना तैयार करना शुरू कर दिया है, लेकिन इससे काम धीमा हो रहा है और खर्च भी बढ़ रहा है। होटल संचालकों का कहना है कि अगर जल्द गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो क्षेत्र के अधिकांश होटल बंद हो सकते हैं, जिससे कई लोगों की सीधे रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा। वहीं राहगीरों और स्थानीय लोगों को भी खाने-पीने की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

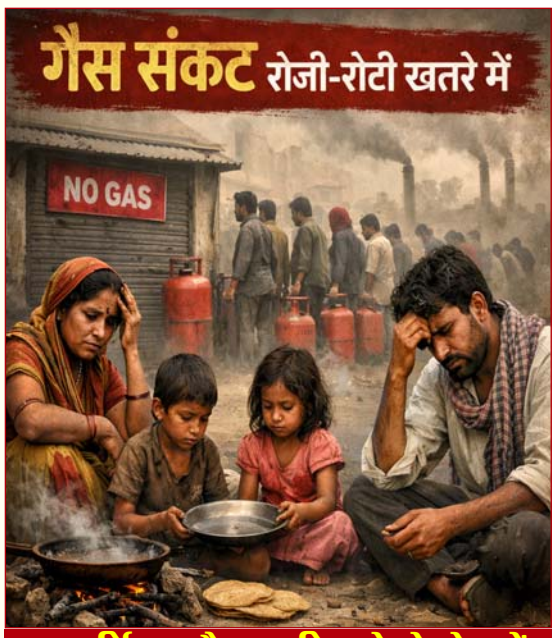

कामर्शियल गैस न मिलने से क्षेत्र में प्रभावित हुआ होटल कारोबार

पैनिक न हों, अफवाहों से बचें

- अधिकारियों ने स्पष्ट किया: सिलेंडर वितरण जारी रहेगा।
- लंबी कतारों में धक्का-मुक्की न करें, सुरक्षा बनाए रखें।
- अफवाहों पर ध्यान न दें, सभी को समय पर सिलेंडर मिलेगा।
- सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर भरोसा न करें

गैस की भारी किल्लत के चलते कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो गया है। मिठाई का काउंटर खाली है। सिलेंडर न मिलने से करीब 1500 से 2000 रुपये तक का प्रतिदिन नुकसान हो रहा है। होटल का स्टॉफ भी छुट्टी पर चला गया है। मजबूरन कोयले की भट्ठी बनवाई है। देखते हैं उससे कितना काम होता है।

होटल संचालक, चौबेपुर

हम व्यापारी लोग बहुत परेशान हैं। कामर्शियल गैस सिलेंडर नहीं मिल रहा है। सरकार की रोक के कारण पिछले करीब दस दिनों से भारी दिक्कत हो रही है। गैस न मिलने से कारोबार प्रभावित हो गया है और दुकान चलाना मुश्किल हो रहा है।

दीपू गुप्ता, मिष्ठान संचालक, चौबेपुर

नेता अपनी दुकान सजा रहे

मौके को देखते हुए सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में गैस सिलेंडर दिखाकर सरकार पर तंज कसते सपा नेता राम लखन गौतम ने कहा कि भाजपा सरकार झूठ बोलकर सत्ता में आई है और आज महंगाई चरम पर पहुंच गई है। वायरल वीडियो की पुष्टि स्वराज इंडिया नहीं करता है

गैस सिलेंडर के लिए उमड़ी भीड़, पुलिस ने बंटवाए

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर)। क्षेत्र में गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच गुरुवार को चौबेपुर कस्बे में घरेलू गैस सिलिंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वितरण में अव्यवस्था और देरी से नाराज उपभोक्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया और सड़क जाम लगाने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात संभालते हुए लोगों को शांत कराया और अपनी मौजूदगी में गैस सिलेंडरों का वितरण कराया।

शिवली क्षेत्र की एक गैस एजेंसी का वाहन चौबेपुर में गैस सिलिंडर बांटने पहुंचा था। इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के मोहल्लों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। भीड़ अधिक होने से सिलिंडर वितरण में दिक्कत आने लगी और लाइन में लगे लोगों में नाराजगी फैल गई। कुछ लोगों ने विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया और सड़क पर जाम लगाने की कोशिश की, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बन गई। सूचना मिलने पर चौबेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने व्यवस्था बनवाकर गैस सिलिंडरों का वितरण शुरू कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि भीड़ अधिक होने से विवाद की स्थिति बन गई थी, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में सभी को सिलेंडर बंटवाए गए।

चौबेपुर कस्बे में वितरण के दौरान बिगड़ी व्यवस्था

बिल्हौर में ड्रग्स के शक में कई दुकानों की तलाशी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। पुलिस ने गुरुवार देर शाम बिल्हौर में संभावित ड्रग्स तस्करी की जांच के लिए कस्बे की करीब एक दर्जन से अधिक दुकानों पर तलाशी अभियान चलाया। कोतवाल के नेतृत्व में पुलिस बल ने चाय की दुकानों,होटल,पान की गुमटियों और अन्य संदिग्ध स्थानों पर बारीकी से जांच की।

जांच के दौरान इंस्पेक्टर सुधीर कुमार और उनकी टीम ने संदिग्ध दुकानों में दस्तावेज और अन्य सामग्री की पड़ताल की। छापेमारी के समय स्थानीय लोग आश्चर्यचकित नजर आए। पुलिस ने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत देने का आह्वान किया। इंस्पेक्टर ने आम जनता से सहयोग की अपील की ताकि ड्रग्स तस्करी पर कड़ी नजर रखी जा सके।

एक ही रात में तीन बंद घरों के ताले टूटे, नकदी-जेवर ले उड़े चोर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे में चोरों ने एक ही रात में तीन बंद मकानों को निशाना बनाकर नकदी और जेवर पार कर दिए। सुबह लोगों को घटना की जानकारी होने पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कुछ संदिग्धों की गतिविधियां भी रिकॉर्ड हुई हैं।

मुरादनगर मोहल्ला निवासी नरेश कटियार बुधवार को पत्नी के साथ रिश्तेदारी में गए हुए थे। घर पर उनकी बेटियां थीं, जो शाम को मकान में ताला लगाकर पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार के घर चली गईं। देर रात चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हो गए और कमरे व बक्सों के ताले तोड़ दिए। चोर घर में रखी सोने की माला, दो जोड़ी तोड़िया, चांदी की पायल और करीब 20 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। गुरुवार सुबह बेटी जब घर लौटी तो ताले टूटे और सामान बिखरा देखकर चोरी का पता चला। इसी तरह त्रिवेणीगंज बाजार में किराये के मकान में रहने वाले शुभम पटेल अपनी पत्नी महिमा के साथ घर बंद कर गांव गए हुए थे। गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने मकान का ताला टूटा देखा तो उन्हें फोन कर सूचना दी। घर पहुंचने पर कमरे और अलमारी के ताले टूटे मिले और सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। शुभम के अनुसार चोर दो जोड़ी चांदी की पायल और गुल्लक तोड़कर करीब 12 हजार रुपये नकद ले गए। उधर पास के ददिखा गांव निवासी सुभाष कटियार के बंद घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। यहां से भी नकदी और जेवर चोरी होने की जानकारी सामने आई है।

घटना के दौरान एक घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कुछ संदिग्धों की गतिविधियां कैद हो गईं, हालांकि फुटेज में चेहरे स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहे हैं। कस्बा प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की

कस्बे के त्रिवेणी गंज में चोरी के बाद कमरे में बिखरा पड़ा सामान।

- एक घर के सीसीटीवी में कैद हुई संदिग्ध गतिविधियां, पुलिस ने शुरू की जांच, आसपास के लोगों से पूछताछ

बंद मकानों को चुन-चुनकर निशाना

बिल्हौर कस्बे में चोरों ने सुनसान और बंद पड़े मकानों को ही निशाना बनाया। मुरादनगर, त्रिवेणीगंज बाजार और ददिखा गांव में अलग-अलग घरों के ताले तोड़कर नकदी व जेवर समेट लिए। अंदेशा है कि चोर रातभर इलाके में घूमते रहे और मौका देखकर वारदात को अंजाम देते रहे।

युवती व किशोरियों के लापता होने पर परिजनों का हंगामा, कार्रवाई की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कलेक्ट्रेट पहुंचकर नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन, आरोपियों पर कार्रवाई और बरामदगी की उठाई मांग

फर्रुखाबाद। जिले में युवती और किशोरी के लापता होने के चार अलग-अलग मामलों को लेकर परिजनों में रोष है। आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसको लेकर शुक्रवार को पीड़ित परिवार कलेक्ट्रेट पहुंचे और नगर मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम मानिकपुर निवासी देवेंद्र की 19 वर्षीय पुत्री अंशिका बिना बताए घर से कहीं चली गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। इस मामले में पिता ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। एक अन्य मामले में थाना जहानगंज क्षेत्र से युवती को भगाने के आरोप में थाना कमालगंज के ग्राम गौसपुर निवासी सफीर खां पुत्र हमीद के खिलाफ

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता नगर मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते हुए

रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वहीं कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के ग्राम रानीपुर गौर की 13 वर्षीय किशोरी को उस समय रास्ते से उठा ले जाने का आरोप है, जब वह किसी को खाना देने जा रही थी। परिजनों का कहना है कि घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और अभी तक उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

इन घटनाओं को लेकर सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी चिंता जताई है। परिजनों ने नगर मजिस्ट्रेट संजय बंसल को ज्ञापन देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए लापता युवती और किशोरी को शीघ्र बरामद कराने की मांग की है।

अफवाहें सुनकर गैस गोदाम पर उमड़ी उपभोक्ताओं की भीड़

गैस संचालक भीड़ देखकर हुआ भयभीत

गैस ऑफिस में लगी भीड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद । अमेरिका इजरायल के साथ ईरान युद्ध ने विश्व में पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत बढ़ा दी है। जिसका असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है। जनपद के कस्बा अमृतपुर में संचालित होने वाली अत्रेय इंडेन गैस एजेंसी पर भी गैस उपभोक्ताओं की लाइन लगने लगी है। जो लोग साल में एक या दो बार ही एलपीजी गैस सिलेंडर भरवाते थे वह भी अब अफवाहों के चलते इस दौड़ में शामिल हो गए हैं।

जिन उपभोक्ताओं के घरों में एक दो चार सिलेंडर है वह सभी सिलेंडर भरवाकर स्टॉक करना चाहता है। ऐसी स्थिति में गैस गोदाम पर भीड़ लग गई। जबकि अत्रेय इंडेन गैस की संचालिका सुनीतारानी चौहान ने बताया कि उनकी एजेंसी पर एलपीजी गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और किसी भी उपभोक्ता को गैस की कमी महसूस नहीं होने दी जाएगी। समय से और नियमानुसार उपभोक्ताओं को गैस उचित मूल्य पर मिलेगी। सभी लोग धैर्य रखें। हमारे पास स्टाफ की कोई कमी नहीं है। 20 लोग एजेंसी पर काम कर रहे हैं। आठ गाड़ियां सप्लाई देने के लिए हर समय तैयार हैं। जिसमें तीन बाइकें रिक्शा और साइकिलों से भी उपभोक्ताओं के घर तक गैस पहुंचाने का काम लगातार किया जा रहा है। उनका कहना था कि इंडेन गैस का सॉफ्टवेयर ना चलने के कारण एजेंसी पर भीड़ हो गई। कर्मचारी परेशान है। जैसे ही सॉफ्टवेयर चलता है गैस वितरण का कार्य तेजी से किया जाएगा फिर इसके लिए चाहे उन्हें रात दिन काम करना पड़े। दो सैकडा लोगों की भीड एजेंसी पर मौजूद थी और सभी लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। उज्जवला गैस उपभोक्ताओं ने बताया कि 4 महीने से उन्हें सब्सिडी नहीं मिल पाई है। रामकिशोर विमला देवी राजेश्वरी पप्पू रमेश विमलेश कमलेश तरुण संजय रघुवीर अरुण आदि उपभोक्ताओं का कहना था कि अब घरों में चूल्हे नहीं जलते हैं।

नहर में डूबे युवक का नहीं लगा सुराग, लगातार तलाश में जुटी टीमें

» गुस्साये ग्रामीणों ने रसूलाबाद –बिल्हौर मार्ग शहबाजपुर में लगाया जाम

» करीब 2 घंटे लगा रहा जाम, तहसीलदार व कोतवाल के आश्वासन पर रोड से हटे ग्रामीण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में नहर में डूबे युवक का चौबीस घंटे से अधिक समय के बाद भी न मिलने से नाराज परिजनों ने सड़क पर जाम लगाया। काफी समझाने बुझाने के बाद करीब 2 घंटे के बाद ग्रामीण रोड से एक तरफ हटे। तब कहीं जाकर यातायात सुचारू रूप से शुरू हुआ। निचली रामगंगा नहर में डूबे युवक सतीश कुमार निवासी दिनकरपुर थाना शिवराजपुर कानपुर नगर अपनी ससुराल गडरियन पुरवा आया था। जहां से वह ससुराली जनो के साथ लाला भगत मंदिर में जवारे चढ़ाने के लिए गया था। इसी दौरान वह नहर में डूब गया काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो शनिवार को दोपहर नाराज परिजनों ने निचली रामगंगा नहर शहबाजपुर पुल पर रसूलाबाद बिल्हौर मार्ग पर जाम लगा दिया। लगभग दो घंटे तक तहसीलदार रसूलाबाद संतोष प्रताप सिंह व प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह सहित अन्य पुलिस बल परिजनों से बातचीत की। तब जाकर लगभग दो घंटे बाद जाम खुल सका। गौरतलब हो कि जिस दिन से युवक डूबा उस दिन से लगातार गोताखोर व एसडीआरएफ की टीम युवक की तलाश कर रही है लेकिन युवक नहीं मिला तो गुस्साये ग्रामीणों ने अगले दिन शहबाजपुर नहर पुल पर जाम लगा दिया। काफी समझाने बुझाने पर ग्रामीण रोड से हटे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिकोण से भारी पुलिस बल शहबाजपुर से लेकर लाल भगत गांव तक तैनात कर दिया गया है। पुलिस पीएसी, क्षेत्रीय पुलिस व आला अधिकारी मौके पर मौजूद है । जबकि गोताखोर व एसडीआरएफ की टीम द्वारा नहर में डूबे युवक की लगातार तलाश की जा रही है।

नहीं चलेगी कालाबाजारी प्रशासन रख रहा सख्त निगाह

» गैस एजेंसियों की जांच के लिए तहसीलवार जांच टीमों का गठन

» घरेलू गैस शिकायत के लिए 24म7 कंट्रोल रूम नंबर जारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर की निर्बाध, पारदर्शी तथा निर्धारित मूल्य पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आकस्मिक आंतरिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में संचालित गैस एजेंसियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए तहसीलवार जांच टीमों के गठन के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के आदेशानुसार जनपद की सभी तहसीलों अकबरपुर, भोगनीपुर, मैथा, सिकंदरा, डेरापुर एवं रसूलाबाद–में गैस एजेंसियों की नियमित जांच के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार तथा संबंधित पूर्ति निरीक्षक को शामिल करते हुए जांच टीम बनाई गई है।

ये टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगी कि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं। जांच के दौरान

गैस एजेंसियों के उपलब्ध स्टॉक, वितरण रजिस्टर, उपभोक्ताओं को दी जा रही रसीदें, मूल्य सूची तथा वितरण व्यवस्था का गहन परीक्षण किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि जांच के दौरान गैस सिलेंडर की आपूर्ति में अनियमितता, अवैध जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा उपभोक्ताओं के साथ अनुचित व्यवहार पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में उपनिरीक्षक, नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, अभ्यर्थियों की

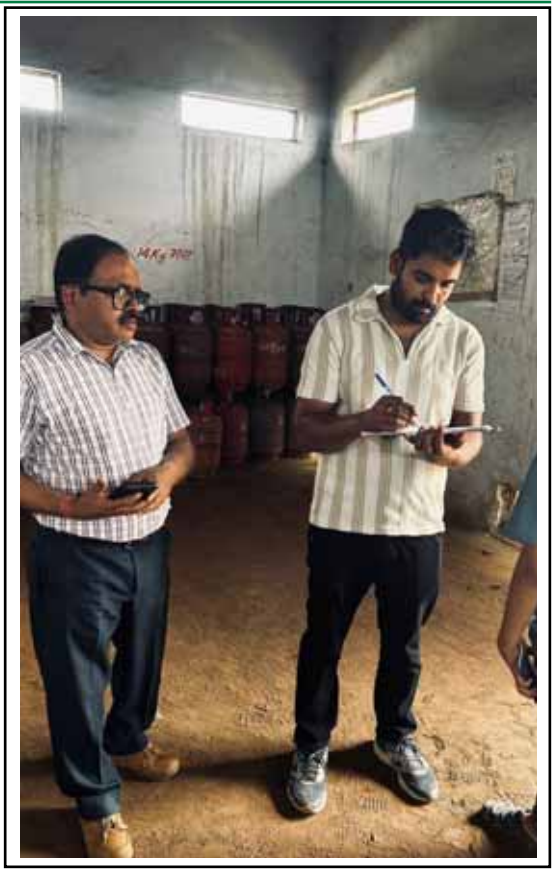

सुविधा, निगरानी व्यवस्था तथा कानून-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में घरेलू गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 24म7 कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। उपभोक्ता गैस वितरण से संबंधित किसी भी समस्या या शिकायत को मोबाइल नंबर 7839564647 पर दर्ज करा सकते हैं, जिस पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने गठित जांच टीमों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भ्रमण करते हुए गैस एजेंसियों की जांच करें और जांच की आख्या जिला पूर्ति अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को प्रस्तुत करें, ताकि आवश्यकतानुसार आगे की प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

खड़ी कार को डंपर ने मारी टक्कर, दो युवक गंभीर घायल

दोस्त की शादी में जा रहे थे कार सवार, घायल अस्पताल में भर्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से सड़क किनारे खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कार से बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा।

कन्नौज निवासी चालक अमित कुमार अपने भाई अनुज, इटावा निवासी अंशु यादव और नगला वर्मांजीत निवासी अमन कुमार के साथ घाटमपुर के पास एक दोस्त की शादी में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में सट्टी थाना क्षेत्र के अफसरिया मुगलमार्ग पर उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी कर नीचे उतर गए।

उसी समय कार के अंदर चालक अमित कुमार और अंशु यादव बैठे हुए थे। तभी भोगनीपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहा एक डंपर ओवरटेक करते हुए अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़ी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे अमित कुमार व अंशु यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए भेजा। साथ ही घायलों के परिजनों को भी घटना की सूचना दी। थाना प्रभारी कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि फिलहाल घायलों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर डंपर चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सेंगुर नदी में डूबे दूसरे युवक का भी शव मिला, सर्च ऑपरेशन खत्म

» मंगलवार को मावर गांव के पास नहाने के दौरान हुआ था हादसा, परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के मावर गांव के पास बहने वाली सेंगुर नदी में डूबे दोनों युवकों के शव गोताखोरों ने बरामद कर लिए हैं। बुधवार को एक युवक का शव मिलने के बाद गुरुवार को दूसरे युवक का भी शव नदी से निकाल लिया गया। तीन दिन तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों युवकों के शव मिलने से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मंगलवार को कानपुर नगर निवासी रवि गुप्ता पुत्र विनोद गुप्ता और अभिषेक शर्मा पुत्र शिवकुमार अपने दोस्तों के साथ भोगनीपुर क्षेत्र के मावर गांव के पास स्थित सेंगुर नदी पहुंचे थे।

इसी दौरान नदी में नहाते समय दोनों युवक गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूबने लगे। साथ मौजूद उनके एक साथी ने दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीम को भी सूचना दी। इसके बाद संयुक्त रूप से नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। लगातार कई घंटों तक चले अभियान के बावजूद पहले दिन दोनों युवकों का कोई सुराग नहीं मिल सका। गोताखोरों ने काफी मशक्कत के बाद अभिषेक शर्मा का शव नदी से बरामद कर लिया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं दूसरे युवक रवि गुप्ता की तलाश के लिए गुरुवार को भी गोताखोरों और पुलिस टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन जारी रखा। काफी प्रयासों के बाद गोताखोरों ने रवि गुप्ता का शव भी नदी से बाहर निकाल लिया। गांव और आसपास के इलाके में भी इस दर्दनाक हादसे को लेकर शोक का माहौल बना रहा। देवीपुर चौकी इंचार्ज अतेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों युवकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सेंगुर नदी के घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

स्वराज इंडिया FOLLOW UP

इफ्तार के वक्त अल्लाह बंदों को देता है खुशियां

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद के आजाद नगर में हुआ विशाल रोज़ा इफ्तार, नमाज के बाद अमन-चैन की मांगी दुआ

कानपुर देहात। मुक़द्दस माह-ए-रमजान के अवसर पर रसूलाबाद कस्बे के आजाद नगर मोहल्ले में स्थित इमाम चौक मैदान में विशाल रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शिरकत कर रोज़ा इफ्तार किया और मगरिब की नमाज अदा कर कस्बे समेत पूरे मुल्क में अमन, चैन और भाईचारे के लिए दुआएं मांगी।

रोज़ा इफ्तार से पहले मौलाना नायाब खान अजहरी ने बयान करते हुए कहा कि रोज़ा अल्लाह ने अपने बंदों पर फर्ज किया है। इंसान जब रोज़ा रखता है तो अल्लाह तआला उसे इफ्तार के वक्त दो खुशियां अता करता है। पहली खुशी इफ्तार करने की होती है और दूसरी अल्लाह के दीदार की। उन्होंने कहा कि रोज़ा इफ्तार कराना भी बेहद नेक और सवाब का काम है। रोज़ा रखने वाले को जितना सवाब मिलता है, उतना ही सवाब रोज़ा इफ्तार कराने वाले को भी मिलता है।मौलाना ने कहा कि रमजान के महीने में गरीबों, मिस्कीनों, यतीमों और जरूरतमंदों की खुलकर मदद करनी चाहिए। पड़ोसी किसी भी धर्म या जाति का हो, उसकी मदद करना इंसानियत और इस्लाम की असली सीख है। अगर कोई भूखा है तो उसे खाना खिलाएं और जिसके पास कपड़े नहीं हैं उसे कपड़े मुहैया कराएं। मजहब-ए-इस्लाम अमन, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम देता है।कार्यक्रम में हाजी महताब खान, हाफिज शाहिद चिश्ती, अकरम सिद्दीकी, मुंसाद, साजिद खान, अतहर खान भुट्टो, वसीम अहमद, मुबीन सिद्दीकी राजा, फरहान खान, जीशान कुरैशी, आजाद अली, मारूफ खान, हाजी इश्तियाक खान, सभासद फरहान मिनी, सुहैल अहमद, शरीफ राईन, अनीस रिटेलर, अफलाक अहमद, अकरम वारसी, शाहरुख मंसूरी, शानू राईन, आसिफ राईन, लकी मंसूरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लहरापुर मार्ग पर लगने लगा भीषण जाम, नो एंट्री से बढ़ी कस्बावासियों की परेशानी

» इस मार्ग से बड़ी संख्या में ट्रक, डम्पर और टेलर गुजरने लगे हैं, जिससे लगातार जाम की स्थिति बनी रहती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। झींझक कस्बे में जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए लगाए गए नो एंट्री नियम का असर अब रसूलाबाद कस्बे पर देखने को मिल रहा है। झींझक रोड पर सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों की नो एंट्री लागू होने के बाद भारी वाहन चालकों ने जालौन जाने के लिए लहरापुर मार्ग का रुख कर लिया है। इसके चलते अब इस मार्ग पर भीषण जाम की स्थिति बनने लगी है, जिससे कस्बावासियों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बताया गया कि झींझक कस्बे में बढ़ती जाम की समस्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा सिकंदरा के पास एक चेक पोस्ट तथा दूसरी रसूलाबाद के झींझक रोड तिराहा पर स्थापित की गई है, जहां से बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। इससे झींझक कस्बे में तो कुछ राहत मिली, लेकिन अब रसूलाबाद कस्बे में समस्या और बढ़ गई है। लहरापुर मार्ग से बड़ी संख्या में ट्रक, डम्पर और टेलर गुजरने लगे हैं, जिससे मुख्य चौराहा सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। जाम के कारण स्थानीय लोगों और व्यापारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तथा व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।विशेष रूप से बुधवार और शनिवार को लगने वाली रसूलाबाद की पुरानी सब्जी मंडी के दिन हालात और भी खराब हो जाते हैं। मंडी में आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की भीड़ के बीच भारी वाहनों के निकलने से जाम और विकराल रूप ले लेता है। स्थानीय व्यापारी लाला चौरसिया, गोपाल गुप्ता, विशाल तिवारी, श्याम गुप्ता और रोहित गुप्ता समेत अन्य लोगों का कहना है कि लहरापुर मार्ग अपेक्षाकृत सकरा है, ऐसे में बड़े वाहनों के आवागमन से समस्या और बढ़ जाती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर भी निर्धारित समय के लिए नो एंट्री लागू की जाए, ताकि कस्बे को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

रजबहे में गिरी तेज रफ्तार कार दूसरे वाहन को बचाने में हुआ हादसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चालक समेत चार गंभीर घायल

कानपुर देहात । कानपुर में घाटमपुर क्षेत्र के जिठौली रोड पर गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया।

भदरस रजबहा के गौरनपुर पुल के पास एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर रजबहे में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को कार से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार जिठौली की ओर जा रही थी।

तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य वाहन को बचाने के चक्कर में कार चालक ने नियंत्रण खो दिया।

रेलिंग तोड़कर कार गिरी नीचे

तेज रफ्तार कार गौरनपुर पुलिया की रेलिंग से टकराई और उसे तोड़ते हुए सीधे रजबहे में जा गिरी।

कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसा होते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जैनपुर इंडस्ट्रियल एरिया फैक्ट्री मालिक पर मारपीट का आरोप

» कूड़ा जलाने को लेकर की महिला से बदसलूकी, दोनों पक्षों ने दी तहरीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात के जैनपुर इंडस्ट्रियल एरिया में एक मजदूर महिला ने फैक्ट्री मालिक पर मारपीट और जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया है।

महिला ने इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। दूसरी ओर, फैक्ट्री मालिक ने भी महिला पक्ष पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों शिकायतों पर जांच शुरू कर दी है।

जैनपुर निवासी आरती पत्नी लाल, यूपीएसआईडीसी जैनपुर में मानवेंद्र सिंह तोमर के यहां मजदूरी करती हैं। मानवेंद्र सिंह तोमर के घर के सामने एक प्लास्टिक फैक्ट्री संचालित है। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री परिसर में आग जलाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ। महिला आरती का आरोप है कि इस दौरान फैक्ट्री मालिक ने उनके साथ मारपीट की और जातिसूचक गालियां दीं।

आरती ने बताया कि जब मानवेंद्र सिंह तोमर बीच-बचाव करने पहुंचे, तो उनके साथ भी मारपीट का प्रयास किया गया। वहीं, फैक्ट्री मालिक ने भी दूसरे पक्ष पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

सदर कोतवाली प्रभारी हरमीत सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से शिकायत पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि मामले में घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मां बनी कातिल, चार माह के बेटे की ईंट से वार कर हत्या

शव को लकड़ियों के ढेर में छिपाया, पूछताछ में सच सामने आने पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज जिले के सरायममरेज थाना क्षेत्र के पिलखिनी गांव में बुधवार शाम दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पति से विवाद के बाद गुस्से में एक महिला ने अपने ही चार माह के मासूम बेटे की नुकीली ईंट से प्रहार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने बच्चे के शव को लकड़ियों के ढेर में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार पिलखिनी गांव निवासी संतोष यादव मजदूरी करता है और उसकी पत्नी मनोरमा यादव से अक्सर घरेलू

बातों को लेकर विवाद होता रहता था। पिछले तीन-चार दिनों से दोनों के बीच झगड़ा बढ़ गया था। बुधवार शाम इसी विवाद के बाद गुस्से में मनोरमा ने अपने चार माह के बेटे ईश्वर पर सीमेंट की नुकीली ईंट से कई वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या के बाद मनोरमा ने बच्चे के शव को घर के पास टीनशेडनुमा कमरे में लकड़ियों के ढेर में महुआ के पत्तों और घासफूस के नीचे छिपा दिया और सामान्य रूप से घर के कामकाज में लग गई। काफी देर तक बच्चा नजर नहीं आने पर परिजनों को शक हुआ। सख्ती से पूछताछ करने पर महिला ने बेटे की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक के दादा हरिलाल यादव उर्फ मुन्नीलाल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।ग्रामीणों के अनुसार संतोष यादव की यह दूसरी शादी थी। पहली पत्नी से शादी के कुछ ही दिनों बाद अलगाव हो गया था। करीब दो साल पहले उसने मनोरमा से विवाह किया था और लंबे इंतजार के बाद चार माह पहले बेटे ईश्वर का जन्म हुआ था।घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसर गया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट का टुकड़ा भी बरामद कर लिया है।अधिकारियों के मुताबिक आरोपी महिला के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने का मामला दर्ज किया गया है और उसकी मानसिक स्थिति की भी जांच कराई जा रही है।

दरोगा भर्ती पेपर बेचने का झांसा सोशल मीडिया पर सक्रिय ठग गिरोह

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की सतर्कता से खुलासा
- टेलीग्राम पर बने फर्जी चैनलों से फैलाया जा रहा था मैसेज

लखनऊ। दरोगा भर्ती परीक्षा से ठीक पहले अभ्यर्थियों को ठगने की साजिश का मामला सामने आया है। जालसाजों ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर फर्जी चैनल बनाकर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा दिया और इसके बदले अभ्यर्थियों से 20 हजार रुपये की मांग की। मामले का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार ने हुसैनगंज थाना में मुकदमा दर्ज कराया है।

जानकारी के मुताबिक उप निरीक्षक सीधी भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा 14 और 15 मार्च को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होनी है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए भर्ती बोर्ड की सोशल मीडिया सेल लगातार निगरानी कर रही है। इसी दौरान टेलीग्राम पर यूपी एसआई यूपी पुलिस-2026, रिजल्ट पैनल प्राइवेट टीएम और यूपी एसआई एग्जाम पेपर यूपी एसआई-2026% नाम से संचालित चैनलों पर संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं।इन चैनलों के माध्यम से जालसाजों ने यह दावा किया कि वे उप निरीक्षक लिखित परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध करा सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों से 20 हजार रुपये जमा कराने को कहा गया। आरोपियों ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस आईडी और

क्यूआर कोड साझा कर 10 हजार रुपये अग्रिम तथा 10 हजार रुपये परीक्षा के बाद देने की शर्त रखी थी।मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। विकास कुमार जायसवाल, सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल संदेशों और आईडी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।वहीं विक्रांत वीर, पुलिस उपायुक्त मध्य ने पूरे मामले की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच सदस्यीय टीम का गठन किया है। इस टीम का नोडल अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज को बनाया गया है। टीम में शिवमंगल सिंह, सुरेंद्र, कांस्टेबल संदीप और एक साइबर विशेषज्ञ को शामिल किया गया है,

घर छोड़ने का झांसा देकर रिक्शा चालक ने मासूम से किया दुष्कर्म, शोर मचाने पर आरोपी फरार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उरई । कोतवाली क्षेत्र में एक रिक्शा चालक ने घर छोड़ने के बहाने एक मासूम के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार मूल रूप से एक गांव का रहने वाला है। वर्तमान में उरई के तुलसी धाम के पास किराए के मकान में रहता है। पीड़िता के पिता ने बताया कि इन दिनों गांव में मटर की फसल की कटाई चल रही है। जिसके कारण वह अपनी पत्नी के साथ गांव गया हुआ था। चूंकि बच्चों की परीक्षाएं चल रही थीं, इसलिए उन्होंने बच्चों को उरई स्थित घर पर ही छोड़ा था।

11 मार्च को परीक्षा समाप्त होने के बाद बच्चे अपनी नानी के घर राजेंद्र नगर गए थे। लेकिन वहां किसी के न होने के कारण वे बाहर खेल रहे थे। इसी बीच, नानी के घर के सामने रहने वाले चार्ली महाराज रिक्शा चालक है। बच्चों को अकेला देखकर उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। उसने बच्चों से कहा कि वह रिक्शा लेकर उनके कमरे की तरफ ही जा रहा है और उन्हें घर छोड़ देगा।आरोपी ने बच्चों को उनके घर पहुंचाया और कुछ देर बाद पीछे से कमरे के अंदर दाखिल हो गया। घर में मासूम बच्ची और उसका भाई मौजूद था। आरोपी ने चालाकी से भाई को किसी बहाने से बाहर भेज दिया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद उसने मासूम के कपड़े उतार कर उसके साथ गलत हरकत करते हुए दुष्कर्म किया। मासूम इस अचानक हुए हमले से सहम गई और उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर आरोपी घबरा गया। उसे मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।जब परिजन शाम को वापस लौटे, तो बदहवास बच्ची ने रोते हुए अपने माता-पिता को पूरी आपबीती सुनाई। यह सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। वे तुरंत बच्ची को लेकर उरई कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ लिखित की।

रामनगरी में राष्ट्रपति का आगमन, राम मंदिर में श्रीराम यंत्र स्थापना की भव्य तैयारी

19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी विशेष पूजन, सीएम योगी की अध्यक्षता में बनी स्वागत और सुरक्षा

अयोध्याधाम।अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भव्य राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना करेंगी। इस अवसर को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में व्यापक तैयारियों की रूपरेखा तय की गई। एयरपोर्ट से लेकर राम मंदिर तक के मार्ग पर चौक-चौराहों को होर्डिंग्स, फूलों और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया जाएगा। यात्रा मार्ग पर हर 500 मीटर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि रामनगरी की सांस्कृतिक विरासत की झलक राष्ट्रपति को दिखाई जा सके।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि अयोध्या एयरपोर्ट पर स्कूली बच्चे तिरंगा लेकर राष्ट्रपति का स्वागत करेंगे, जबकि राम मंदिर

परिसर को विशेष रूप से सजाया जाएगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और खुफिया एजेंसियों को सतर्क रहने तथा एंटी-ड्रोन कंट्रोल रूम सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए कुछ समय के लिए मंदिर आम दर्शनार्थियों के लिए बंद रखा जाएगा, ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। रामनगरी इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार की जा रही है।

रामनगरी में '30 लाख की नर्सिंग': भरोसे की आड़ में ठगी या सिस्टम की चुप्पी?

» आईजीआरएस शिकायत के बावजूद कार्रवाई पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की पवित्र नगरी में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सरकारी व्यवस्था और अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिला महिला चिकित्सालय में तैनात नर्स विमला देवी पत्नी राजकुमार पर लगभग 30 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगा है।

जिला महिला चिकित्सालय की नर्स विमला देवी पर लाखों की ठगी का आरोप

शहर के एक प्रतिष्ठित ज्वैलर्स कारोबारी जिनकी पहचान सुरक्षा कारणों से गोपनीय रखी जा रही है — का आरोप है कि नर्स विमला देवी वर्षों से उनकी दुकान सोनी ज्वैलर्स पर आती-जाती थीं और शादी व मकान निर्माण का हवाला देकर धीरे-धीरे बड़ी रकम उधार लेती रहीं। भरोसे के नाम पर दी गई रकम के बदले उन्होंने हस्ताक्षरित चेक भी दिया, लेकिन जब चेक बैंक में लगाया गया तो वह बाउंस हो गया।बता दे कि पीड़ित ने न्याय की उम्मीद में शासन की शिकायत प्रणाली आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई और जिला महिला चिकित्सालय से कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि निष्पक्ष जांच कराने के बजाय अस्पताल प्रशासन ने फर्जी आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब सरकारी कर्मचारी पर गंभीर आर्थिक आरोप लगे हों तो विभागीय जांच से परहेज क्यों किया गया? क्या यह मामला भी सरकारी फाइलों की धूल में दबा दिया जाएगा या फिर शासन सच्चाई सामने लाने के लिए ठोस कदम उठाएगा?

कार्यालय की गोपनीयता के कारण हम इस विषय में अधिक कुछ नहीं बता सकते। मेरा सिर्फ इतना कहना है कि अस्पताल और अयोध्या की छवि खराब न की जाए। कोई क्या खरीद रहा है, भले ही वह मेरे स्टाफ का व्यक्ति हो, वह हमें बताकर नहीं खरीदता। किसी के व्यक्तिगत मामले में मुझे हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। जहां तक कार्रवाई की बात है, वह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है; इसके लिए पुलिस और कोर्ट ही उचित मंच हैं।

डॉ. बिभा कुमारी, सीएमएस
जिला महिला चिकित्सालय अयोध्या

अयोध्या में ज़मीन का 'काग़ज़ी खेल'

एक ही प्लॉट के कई बैनामे, विवाद से खुला फर्जीवाड़े का जाल

» महिला पर कूट रचित बैनामा, फर्जी संरक्षिका बनने और वसूली गैंग चलाने के आरोप, कई मुकदमे दर्ज, पुलिस जांच में आए कई नाम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में जमीन से जुड़ा एक पुराना विवाद अब कथित तौर पर फर्जी बैनामों और संगठित वसूली के जाल के रूप में सामने आ रहा है। लवकुशनगर क्षेत्र से जुड़ा यह मामला तीन दशक पुराने जमीन बैनामे से शुरू होकर कई आपराधिक मुकदमों तक पहुंच चुका है।मामले के केंद्र में बताई जा रही विद्या मिश्रा पर आरोप है कि उन्होंने कथित रूप से कूट रचित दस्तावेजों के सहारे जमीन के स्वामित्व को लेकर कई विवाद खड़े किए। जानकारी के अनुसार, वर्ष 1987 में गाटा संख्या 623 (रकबा 5 बिस्वा) की जमीन का बैनामा भोला पांडेय और विजय कुमार पांडेय के नाम किया गया था, जिसने आगे चलकर अन्य व्यक्तियों को जमीन बेच दी। बाद में यह संपत्ति उत्तराधिकार के आधार पर नए खातेदारों के नाम दर्ज हो गई।

आरोप है कि करीब 30 साल बाद उसी जमीन का दोबारा कथित फर्जी बैनामा कर दिया गया, जिसके बाद मामला थाना कोतवाली अयोध्या में धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में दर्ज हुआ। इसी विवाद के बीच विद्या मिश्रा के कथित रूप से अपने पति को मानसिक रूप से बीमार बताकर संरक्षिका बनने का मामला भी सामने आया, जिसे बाद में अदालत ने 2013 में खारिज कर दिया।इसके बावजूद वर्ष 2015 में जमीन का एक और बैनामा किए जाने का आरोप लगा, जिस पर अलग से मुकदमा दर्ज हुआ और पुलिस कार्रवाई में विद्या मिश्रा की गिरफ्तारी भी हुई। वह लगभग एक वर्ष जेल में रहीं और फिलहाल उच्च न्यायालय से जमानत पर बाहर हैं। सूत्रों के अनुसार, इस जमीन विवाद में स्थानीय स्तर पर कुछ राजनीतिक और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि पुलिस की जांच जारी है और आधिकारिक रूप से पूरे मामले की सच्चाई सामने आना अभी बाकी है।

कागज़ों में स्वच्छता, जमीन पर कूड़े का साम्राज्य

अयोध्या में आरआरसी सेंटरों पर ताले

» स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने 750 कूड़ा प्रबंधन केंद्र निष्क्रिय

» लाखों के ई-रिक्शा भी खड़े, सचिव-प्रधान की उदासीनता से दम तोड़ती योजना

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की हकीकत कागज़ी उपलब्धियों और ज़मीनी सच्चाई के बीच झूलती नजर आ रही है। गांवों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए बनाए गए करीब 750 आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) आज अधिकांश जगहों पर ताले में कैद हैं।

प्रति केंद्र 2 से 3.5 लाख रुपये की लागत से बने ये सेंटर अब धूल फांक रहे हैं, जबकि छंटाई टेबल, कूड़ेदान और अन्य उपकरण उपयोग के अभाव में बेकार पड़े हैं।योजना के तहत घर-घर से कूड़ा इकट्ठा कर इन सेंटरों तक पहुंचाने के लिए करीब 450 ग्राम पंचायतों में ई-रिक्शा और कूड़ा ढोने वाले रिक्शे खरीदे गए। लेकिन हकीकत यह है कि अधिकतर पंचायतों में ये वाहन पंचायत भवन या सेंटर के पास खड़े दिखाई देते हैं और नियमित कूड़ा संग्रहण की व्यवस्था ठप पड़ी है।सोहावल, रुदौली, मिल्कीपुर, मवई, खंडासा और तारुन सहित कई ब्लॉकों में यह महत्वाकांक्षी योजना जागरूकता और निगरानी के अभाव में दम तोड़ती नजर आ रही है। सोहावल के पिरखौली गांव में ही फिलहाल एमआरएफ सेंटर का निर्माण शुरू हुआ है, जबकि अन्य जगहों पर बने आरआरसी सेंटर व्यवस्थित संचालन के इंतजार में हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप है कि योजना को सक्रिय रखने की जिम्मेदारी निभाने वाले खंड प्रेरक भी कई जगह निष्क्रिय हैं

और जिम्मेदारी ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव व एडीओ पंचायत पर छोड़ दी गई है। नतीजा यह है कि गांवों में आज भी कचरा खाली जगहों, नालों या खेतों के किनारे फेंका या जलाया जा रहा है। स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जब सेंटरों पर ताले लटक रहे हों, तो सवाल उठना लाज़िमी है–क्या अयोध्या के गांवों में स्वच्छता अभियान सिर्फ कागज़ों की सजावट बनकर रह गया है?

बिजली ग्रिड पर हमले की धमकी, ब्रिटेन के एयरबेस से हमले की तैयारी

अमेरिका-ईरान टकराव

खतरनाक मोड़ पर

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब खुले सैन्य टकराव की आशंका तक पहुंच गया है। तीखी बयानबाजी, सैन्य तैयारियों और रणनीतिक तैनाती के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका ईरान की बिजली आपूर्ति प्रणाली को निशाना बनाता है तो तेहरान पूरे क्षेत्र के बिजली ग्रिड पर हमला कर सकता है। लारीजानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में आधे घंटे से भी कम समय में पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा सकता है। उनके मुताबिक अंधेरे का फायदा उठाकर अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सैनिकों को निशाना बनाया जा सकता है।

यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कड़े बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि ईरान संघर्ष को बढ़ाता है तो अमेरिका एक घंटे के भीतर ईरान की बिजली आपूर्ति प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। ट्रंप के अनुसार ऐसा होने पर ईरान को अपनी ऊर्जा व्यवस्था फिर से खड़ी करने में 25 वर्ष तक लग सकते हैं, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका आदर्श रूप से ऐसा कदम उठाना नहीं चाहता। ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान स्ट्रेट आफ होर्मूज से वैश्विक तेल आपूर्ति रोकने की कोशिश करता है तो अमेरिका "बीस गुना ज्यादा कठोर जवाब" देगा।

- **तेहरान की चेतावनी, अगर ईरान की बिजली व्यवस्था पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में छा सकता है अंधेरा**
- **ब्रिटेन के एयरबेस पर अमेरिकी बी-1बी बमवर्षक तैनात, बंकर-बस्टर हथियारों की तैयारी**

इसी बीच अमेरिकी प्रशासन ने सैन्य तैयारियों को भी तेज कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार अमेरिका ने ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर तीन बी-1 बी लेंसर बमवर्षक विमान तैनात किए हैं। माना जा रहा है कि यह ब्रिटिश ठिकाने से ईरान के खिलाफ संभावित अमेरिकी हमले का पहला बड़ा मिशन हो सकता है। सूत्रों के अनुसार इन विमानों में जेडीएएम किट से लैस बंकर-बस्टर बम लोड किए जा रहे हैं, जो सामान्य बमों को जीपीएस-निर्देशित सटीक हथियारों में बदल देते हैं। इनका इस्तेमाल एमके-82, एमके-83 और एमके-84 श्रेणी के भारी बमों के साथ किया जा सकता है। उधर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार ने शुरुआत में अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल को लेकर सावधानी बरती थी, लेकिन बाद में अमेरिकी अनुरोध को मंजूरी दे दी। इसके बाद पूर्वी भूमध्यसागर क्षेत्र में अतिरिक्त सैन्य संसाधनों की तैनाती भी बढ़ा दी गई है। हालांकि ब्रिटेन के भीतर इस संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर मतभेद उभर आए हैं और कई सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में लोगों ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों का विरोध जताया है।

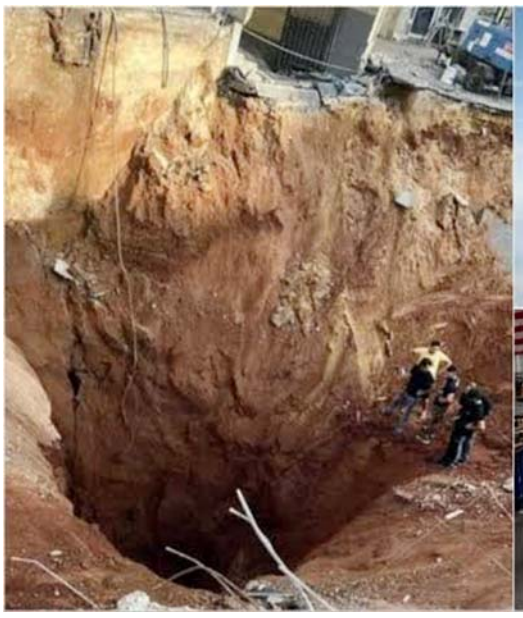

क्या तीसरे विश्व युद्ध की आहट ?

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। दोनों देशों की बयानबाजी और सैन्य तैयारियां संकेत दे रही हैं कि यदि स्थिति नियंत्रण से बाहर हुई तो इसका असर सिर्फ मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सीधा सैन्य टकराव हुआ तो इसमें अमेरिका के सहयोगी देश और ईरान के क्षेत्रीय साझेदार भी शामिल हो सकते हैं। इससे युद्ध का दायरा तेजी से फैल सकता है। अमेरिका की अगुवाई वाले गठबंधन में यूरोपीय और खाड़ी देश शामिल हो सकते हैं। ईरान के साथ क्षेत्रीय मिलिशिया और सहयोगी ताकतें सक्रिय हो सकती हैं। ऊर्जा मार्गों और समुद्री व्यापार पर हमले से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। हालांकि रणनीतिक विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि फिलहाल दोनों पक्षों की कड़ी बयानबाजी का उद्देश्य दबाव बनाना है, न कि तुरंत पूर्ण युद्ध छेड़ना।

पाताल तक तबाही मचाने वाले बंकर-बस्टर हथियार

अमेरिका के पास ऐसे विशेष बम हैं जिन्हें भूमिगत सैन्य ठिकानों, मिसाइल भंडारों और कंक्रीट बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। इनमें मजबूत स्टील आवरण होता है जो जमीन के भीतर गहराई तक घुसने के बाद विस्फोट करता है। अमेरिकी हथियार प्रणाली जीबीयू-57 लगभग 200 फीट (करीब 60 मीटर) तक जमीन के भीतर जाकर लक्ष्य को नष्ट करने में सक्षम मानी जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन्हें रणनीतिक बमवर्षकों के साथ इस्तेमाल किया गया तो भूमिगत मिसाइल ठिकानों जैसे कठिन लक्ष्यों को भी नष्ट किया जा सकता है।

भारत और तेल बाजार पर असर

अगर अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ता है तो इसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ेगा, जिसका प्रभाव भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर भी महसूस होगा। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और मध्य-पूर्व उसके लिए सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में क्षेत्र में तनाव बढ़ने से कीमतों में तेज उछाल आ सकता है।

दुनिया का कितना तेल होर्मुज से गुजरता है?

मध्य-पूर्व का स्ट्रेट आफ होर्मूज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। यदि यहां किसी प्रकार का सैन्य तनाव या नाकाबंदी होती है तो इसका असर पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यदि यहां जहाजों की आवाजाही बाधित हुई तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें अचानक उछल सकती हैं और वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो सकता है।

- दुनिया के समुद्री मार्ग से जाने वाले तेल का लगभग 20% हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है।
- रोजाना करीब 1.7 से 2 करोड़ बैरल कच्चा तेल इस जलडमरूमध्य से परिवहन होता है।
- वैश्विक एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की लगभग 20-25% आपूर्ति भी इसी मार्ग से गुजरती है।
- सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और यूएई का बड़ा तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है।
- एशिया के बड़े आयातक देश भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरियाइस मार्ग पर काफी निर्भर हैं।

- अमेरिका और ईरान के बीच बयानबाजी बेहद तीखी हो गई है।
- ईरान ने चेतावनी दी बिजली ग्रिड पर हमला हुआ तो पूरे क्षेत्र में अंधेरा किया जा सकता है।
- अमेरिका ने एक घंटे में ईरान की बिजली व्यवस्था ध्वस्त करने का दावा किया।
- ब्रिटेन के एयरबेस पर अमेरिकी रणनीतिक बमवर्षक तैनात।
- बंकर-बस्टर और जीपीएस-निर्देशित हथियारों की तैयारी।
- होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी टकराव की आशंका।
- ब्रिटेन में संभावित युद्ध भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस तेज।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com